Email: sadhanap.cbse@nic.in
Webite: www.cbseacademic.in

Tel: 011-23212603
011-23211576
Tele Fax: 011-23234324

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के अधीन एक स्वायत्त संगठन)
शिक्षा सदन, 17, इन्सटिट्यूशनल क्षेत्र, राउज एवेन्यु, दिल्ली-110002.

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

(An Autonomous Organization under the Union Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
"Shiksha Sadan", 17, Institutional Area, Rouse Avenue, New Delhi-110002.

केमाशिबो/शैक्षणिक/हिंदी/2012 अक्टूबर 30, 2012

परिपत्र संख्या.: शैक्षणिक - 85/2012

प्रधानाचार्य

.....

.....

विषय :- *कक्षा नवीं एवं* दसवीं के लिए हिंदी पाठ्यक्रम- ब (द्वितीय भाषा) की पाठ्यचर्या के व्यापक स्तर पर पुनरावलोकन के विषय में प्रतिपुष्टि

प्रिय महोदय/महोदया,

केमाशिबो प्रत्येक वर्ष समाज व समय की आवश्यकतानुसार अपनी पाठ्यचर्याओं का पुनरावलोकन करवाता है। इस संदर्भ में बोर्ड किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुँचने के लिए पारदर्शी प्रक्रिया अपनाता है तथा संभावित परिवर्तनों के संदर्भ में अपने सभी विशिष्ट पर्णधारियों के मतों को विशेष महत्व देता है। इसी शृंखला में उपर्युक्त विषय में संलग्न प्रतिपुष्टि प्रपत्र तैयार किया गया है जो भविष्य में आने वाली हिंदी पाठ्यक्रम-ब की पाठ्यचर्या के सुधार पर केन्द्रित है। आप से सविनय निवेदन है कि अपने उन शिक्षिकाओं/शिक्षकों, जो कक्षा नवीं तथा दसवीं में हिंदी पाठ्यक्रम- ब पढ़ा रहे हैं, को निर्देश देकर संलग्न प्रपत्र को **नवम्बर 20, 2012** तक भरवाकर निम्नलिखित पते पर भिजवाने का कष्ट करें ।

श्री अल हिलाल अहमद, सहायक शिक्षा अधिकारी,
शिक्षा सदन, 17, इन्सटिट्यूशनल क्षेत्र, राउज एवेन्यु, दिल्ली-110002

आपके द्वारा भरे हुए प्रपत्र स्कैन करवाकर aeoasedof@gmail.com पर ई-मेल भी किये जा सकते हैं। बोर्ड आप के विचारों व सुझावों का स्वागत करता है। आपके मूल्यवान सुझाव पुनरावलोकन में बहुत सहायक सिद्ध होंगे तथा बोर्ड इस संदर्भ में आपके सहयोग के लिए कृतज्ञ रहेगा ।

सधन्यवाद।

भवदीय

सहायक शिक्षा अधिकारी

कक्षा *नवीं एवं* दसवीं के लिए हिंदी पाठ्यक्रम– ब (द्वितीय भाषा) की पाठ्यचर्या के पुनरावलोकन हेतु प्रतिपुष्टि प्रश्नावली

1. विद्यालय का नाम.....

.....

2. प्रधानाचार्य का नाम.....

3. पत्र व्यवहार हेतू पता.....

.....

4. दूरभाष.....

5. ई–मेल.....

6. कक्षा नवीं व दसवीं में हिन्दी पाठ्यक्रम ब पढ़ाने वाले शिक्षिकाओं/शिक्षकों के नाम..

(क).....

(ख).....

(ग).....

प्रतिपुष्टि प्रपत्र

हिंदी पाठ्यक्रम- ब की पाठ्यचर्या का उद्देश्य मुख्यत: अहिंदी भाषी क्षेत्रों में रहने वाले उन बालकों के लिए हिंदी पाठ्यचर्या उपलब्ध करवाना है जिनकी मातृभाषा हिंदी नहीं है। द्वितीय भाषा बहुभाषिकता तथा अर्न्तसांस्कृतिक सम्प्रेषण, जो भारतवर्ष की विविधता से परिपूर्ण भाषीय पृष्ठभूमि के संदर्भ में अत्यंत ही महत्वपूर्ण है, को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। द्वितीय भाषा हेतु पाठ्यचर्या का स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि जिससे भाषा में निपुणता प्राप्त करने-कराने के लिए उचित भाषिक परिवेश तथा उस भाषा में लगातार रोचक अभ्यास के अवसर उपलब्ध हो सकें।

उपर्युक्त संदर्भ में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हिंदी पाठ्यक्रम- ब की पाठ्यचर्या में संशोधन हेतु आपके मूल्यवान सुझाव आमंत्रित करता है। कृपया कुछ समय निकालकर निम्नलिखित प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरकर बोर्ड भिजवाने का कष्ट करें। इससे आगे आने वाले समय में हिंदी की द्वितीय भाषा के रूप में स्वीकार्यता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

1. क्या आप बोर्ड द्वारा निर्धारित हिंदी पाठ्यक्रम-ब की पाठ्यचर्या में लिए गऐ विषयों से संतुष्ट हैं? यदि नहीं तो कृपया विषय/विषयों का शीर्षक एवं असंतुष्टी के कारण लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. क्या आप सोचते हैं कि उपर्युक्त पाठ्यचर्या में विषयों का निर्धारण पर्याप्त सीमा से अधिक है यदि ऐसा है तो कृपया उन विषय/विषयों का कारण सहित उल्लेख करं जिन्हें पाठ्यचर्या में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. क्या आपके अनुसार उपर्युक्त पाठ्यचर्या विद्यार्थियों के आयुवर्ग के लिए रोचक, नवीनतम ज्ञान सहित, सजनात्मक /सकरात्मक/आलोचनात्मक विचारों का विकास व प्रसार करने में सहायक है? यदि हाँ तो आपके अनुसार किस सीमा तक? यदि नहीं तो इसमें क्या संशोधन किए जा सकते हैं।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. क्या यह पाठ्यचर्या शिक्षिकाओं एवं शिक्षकों को शिक्षण हेतु क्या व कैसे पढ़ाया जाऐ यह चुनने की समुचित स्वतंत्रता प्रदान करती है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

5. पाठ्यचर्या में यदि कोई ऐसा भाग है जिसमें विषयों अथवा भार आदि में संतुलन का अभाव प्रतीत होता है तो उसका वर्णन कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. क्या पाठ्यचर्या के अनुसार मूल्यांकन हेतु विभिन्न क्षेत्रों जैसे **अपठित बोध, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक तथा लेखन क्षेत्रों** को उचित भार दिया गया है अथवा नहीं? यदि नहीं तो आपके अनुसार भार का वितरण इस प्रकार होना चाहिए उसका उल्लेख करें

.....

.....

.....

.....

.....

.....

7. क्या आप मूल्यांकन हेतु विभिन्न प्रकार के प्रश्नों की संख्या से संतुष्ट है अथवा नहीं? यदि नहीं तो कृपया आपके अनुसार विभिन्न प्रश्नों की संख्या व वितरण किस प्रकार का होना चाहिए?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. क्या आपके अनुसार उपर्युक्त पाठ्यचर्या मूल्यपरक सिद्धातों जैसे मानवाधिकार, पर्यावरण, सामाजिक न्याय, प्रजातंत्र के लिए आदर की भावना, समानता, नारी सम्मान आदि विषयों में विद्यार्थियों में तर्कसंगत धारणाएँ अन्तनिहित करवाने में सक्षम है? इस दिशा में सुधार हेतु कौन–से प्रयास किए जा सकते हैं।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

9. क्या आपके अनुसार पाठ्यचर्या आवश्यक श्रवण व वाचन कौशलों के विकास हेतु पर्याप्त बल देती है? इस विषय में और क्या आवश्यक कदम उठाये जाने चाहिए?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

10. अधिगम की प्रगति को निर्धारित करने के लिए साक्ष्य इकट्ठा करने की तथा उसकी व्याख्या करने की प्रक्रिया तथा अध्येता के कार्यसंपादन के संदर्भ में पाठ्यचर्या में किस प्रकार सुधार किया जा सकता है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

11. यदि आप हिंदी पाठ्यक्रम- ब पाठ्यचर्या के सुधार हेतु उपर्युक्त विषयों से अन्येतर कोई सुझाव देना चाहें तो कृपया उसका वर्णन करें।

.....

.....

.....

.....

.....

.....